मूल्य 1 रु.
वर्ष: 15 - अंक : 29, मुंबई, गुरुवार, 15 मई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI™ VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

भारत सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

43 रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली से...

गिरफ्तार कर पानी में फेंकने का आरोप

43 रोहिंग्या शरणार्थियों को भारतीय अधिकारियों ने कथित तौर पर म्यांमार की समुद्री सीमा के पास अंतरराष्ट्रीय समुद्र में जबरदस्ती उतरने पर मजबूर किया. इनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल थे, जिन्हें लाइफ जैकेट के सहारे तैरते हुए अपनी जान बचानी पड़ी. इसके अलावा कई लोग तो इनमें ऐसे हैं, जिन्हें कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी हैं। याचिका में मांग की गई है कि इन शरणार्थियों को दिल्ली वापस लाया जाए और कस्टडी से रिहा किया जाए

मुंबई हलचल/संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई। इस याचिका में आरोप लगाया गया कि 43 रोहिंग्या शरणार्थियों, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं, और कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों वाले व्यक्तियों को भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जल में फेंककर जबरन म्यांमार निर्वासित किया। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की सुप्रीम कोर्ट की पीठ वर्तमान में रोहिंग्या शरणार्थियों के निर्वासन और रहने की स्थिति से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही है।

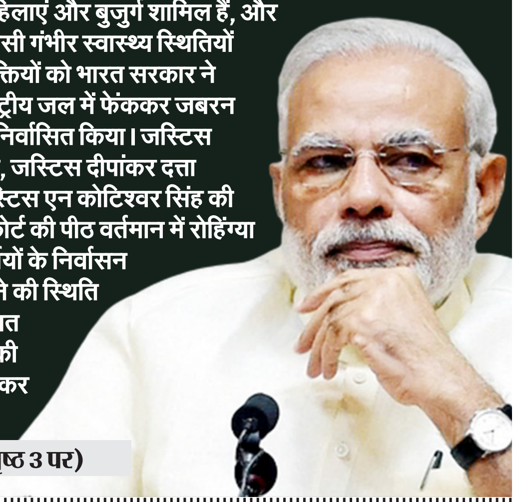

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद-अजित की जोड़ी फिर एक्टिव

निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार एक बार फिर साथ आ सकते हैं। महाराष्ट्र में अक्टूबर में होने वाली शहरी निकाय चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसी बीच खबर आ रही है कि अजित पवार और शरद पवार अपने बीच के मनमुटाव को खत्म करके एक हो सकते हैं। महाराष्ट्र में अक्टूबर में शहरी निकाय चुनाव होने वाले हैं और दोनों पार्टियों में ऐसे कई नेता हैं जो चाहते हैं कि उनका विलय हो जाए और पार्टी मजबूती से चुनाव में उतरे। इस बाबत एनसीपी (शरद पवार) गुट से सुप्रिया सुले और अजित पवार गुट से प्रफुल्ल पटेल लगातार संपर्क में हैं। हालांकि शरद पवार गुट के 8 सांसदों में से 2 सांसद इस विलय के पक्ष में नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों को जारी किए दिशा-निर्देश

सीसीटीवी, कर्मचारियों की जांच के साथ बाल सुरक्षा और जागरूकता पर दिया जोर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मानसिक दबाव या उत्पीड़न का सामना कर रहे छात्रों को परामर्श प्रदान करना तथा प्री-प्राइमरी और प्राइमरी के छात्रों को गुड टच और बैड टच (अच्छे और बुरे मकसद से किया गया स्पर्श) के बारे में जागरुक बनाना भी इन दिशा-निर्देशों का हिस्सा है। ये निर्देश राज्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 13 मई को जारी सरकारी संकल्प (जीआर) में शामिल हैं, जिसका उद्देश्य यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के कार्यान्वयन को मजबूत करना है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महिला शिक्षकों की हो नियुक्ति

आदेश में कहा गया है कि प्री-प्राइमरी से लेकर छठी कक्षा तक के लिए मुख्यत: महिला शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए। आदेश में कहा गया है कि जहां स्कूल परिवहन का उपयोग किया जाता है, वहां ड्राइवरों और सहायक कर्मचारियों की औचक तरीके शराब संबंधी जांच की जानी चाहिए। प्रत्येक स्कूल बस में एक महिला कर्मचारी का भी होना आवश्यक है। बाल सुरक्षा और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, संकल्प में स्कूलों को महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा विकसित चिराग ऐप के बारे में छात्रों और शिक्षकों को जागरुक करने का निर्देश देता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक उत्कृष्ट उदाहरण

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्व और भी अधिक महसूस हुआ है। हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरूआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी। नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चर्चाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए। मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है।

छॉलीवुड पत्रकार सम्मान से सम्मानित हुए जगन्नाथ बिसोई

ओडिशा। रायपुर राजधानी में आयोजित स्मार्ट सिनेमा म्यूजिक एल्बम अवॉर्ड 2025 के भव्य कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े तमाम कलाकारों, निर्माताओं, निर्देशकों व पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस खास अवसर पर ओडिशा से सिने पत्रकार जगन्नाथ बिसोई को छॉलीवुड पत्रकार सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें छत्तीसगढ़ सिनेमा की खबरों को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित करने और छॉलीवुड संस्कृति को देश के अन्य भागों तक पहुंचाने के लिए दिया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद जगन्नाथ बिसोई पत्रकार ने कहा, यह मेरे लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। मैं हृदय से बोरिस्ट पत्रकार इतिश सोनी जी व स्मार्ट सिनेमा टीम का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे इस मंच पर आमंत्रित कर मेरी पत्रकारिता को पहचान दी। छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री के उत्थान और कलाकारों की आवाज को आगे बढ़ाना मेरा उद्देश्य रहा है, और

यह सम्मान मुझे और भी प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के कई नामी कलाकार और निर्माता-निर्देशक भी उपस्थित रहे। यह आयोजन छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

करोड़ों के नुकसान वाले कानपुर अग्निकांड में अब तक एक की मौत, पांच गंभीर

3 चार पहिया वाहन, 12 ई-रिक्शा और करीब 20 दोपहिया वाहन जलकर हुए राख

कानपुर। यहां के कलक्टर गंज की पुरानी गल्लामंडी में करोड़ों के नुकसान वाले भीषण अग्निकांड में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। उसका कंकाल आज बुधवार की सुबह बरामद किया गया, जबकि पांच लोग जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। अवगत कराते चलें कि कल मंगलवार 3:00 बजे के बाद लगी भीषण आग में गल्ला, किराना, मूंगफली और दवा की दुकानें जल गईं। आग की चपेट से आकर 5 सिलेंडर फट गए थे। इस आग में 3 चार पहिया वाहन, 12 ई-रिक्शा और करीब 20 दोपहिया वाहन जलकर राख हो गए थे। आसमान में उठा धुएं का गुबार 3 किमी दूर तक देखा गया था। इस अभूतपूर्व भीषण अग्निकांड में 7 लोग 50 फीसदी से ज्यादा झुलस गए थे। जिसमें एक की मौत हो गई। जलकर मरने वाला शुक्लागंज निवासी गया प्रसाद विश्वकर्मा यही की एक दुकान में कर्मचारी था। आज बुधवार की सुबह कंकाल और उसके पास के कपड़े देखकर उसकी शिनाख्त उसकी पत्नी उर्मिला ने की। वही झुलसे 7 लोगों में पांच की हालत लगातार गंभीर बनी हुई है डॉक्टर उनकी जान बचाने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। आग लगने की अनुमानित वजह चार्जिंग के समय ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट बताई गई है। साथ ही अन्य कारणों और अग्निकांड से हुए नुकसान के आकलन की भी जांच जारी है।

सावरी दामोदरे ने हासिल किए 91.60 फीसद अंक, सलमान खान एटीएस मित्र परिवार ने किया सत्कार

स्थानीय प्रेमकुमार सिकची विद्यालय की छात्रा केवल कॉलोनी निवासी सावरी सिध्दार्थ दामोदरे ने कक्षा 10 वीं की परीक्षा में 91.60 फीसद अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की। माता-पिता के सपनो को पूर्ण कर बैकींग क्षेत्र में काम करने का लक्ष्य सावरी का है। सावरी दामोदरे के पिता सिध्दार्थ समाजसेवा के साथ सेल्समैन का काम करते है, मां सारिका भी नौकरी करती है। पति-पत्नी मिलकर सावरी दामोदरे को उच्च शिक्षा दिलवाने का संकल्प लिया है, जिसे सावरी ने पूरा करने का पहला चरण पार किया। सावरी को ड्राइंग व एंकरींग के प्रति रूची है। सलमान खान अळर मित्र परिवार द्वारा भव्य सरकार सम्मान किया गया इस अवसर पर शुभम जवंजाळ, सलमान खान एटीएस व सजील खान परिवार गण मौजूद थे..?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

साइबर ठगों को बेचे लाडकी बहिनों के खाते

हजारों बैंक अकाउंट को लगाया चूना, मुंबई पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा जाता है। इस बीच मुंबई से लाडकी बहिनों से ही जालसाजी करने का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने लाडकी बहिनों को ठगने वाले तीन जलासाजों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है, जिन पर लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का आश्वासन देकर पुरुषों समेत कई लोगों के नाम से बैंक खाते खोलने और उनमें साइबर अपराध एवं धनशोधन के माध्यम से प्राप्त धनराशि को जमा करने का आरोप है। मुंबई पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया इन खातों के माध्यम से करोड़ों रुपये के लेनदेन हुए हैं, जिनमें से कई साइबर ठगी, व्यापार और काले धन को सफेद धन में बदली गयी धनराशि है। पुलिस ने बताया

कि गरीब तबके के भोले-भाले लोगों को लालच देकर आरोपी उनके बैंक खाते साइबर ठगों को बेच देते थे। जुहू थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, करीब 2,500 बैंक खाते खोले गए, जिनमें से कुछ खाते कथित तौर पर साइबर ठगों और धन शोधन करने वालों को बेचे गए। अधिकारी के अनुसार, त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घोटाले से जुड़े 100 से अधिक सक्रिय बैंक खातों में वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी और इन खातों में 19,43,779 रुपये जब्त कर लिए हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतर पीड़ित पुरुष हैं, जिन्हें लाडकी बहिन योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपये की सरकारी सहायता देने का वादा किया गया था, जबकि यह योजना केवल पात्र महिला लाभार्थियों के लिए है। अधिकारी के अनुसार, घोटाले का खुलासा तब हुआ जब विले पार्ले के नेहरू नगर झुग्गी बस्ती के एक मजदूर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अविनाश कांबले (25) और दो अन्य को गिरफ्तार किया गया।

मोबाइल डाटा चोरी मामले में ठाणे पुलिस के 2 कांस्टेबल गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। स्वयं के फायदे के लिए ठाणे शहर पुलिस के दो कांस्टेबल आकाश सोपान सुर्वे3816 नंबर तथा हर्षद लक्ष्मण परब 1018 नंबर को ठाणे पुलिस की सायबर क्राइम शाखा ने अपने कर्तव्य की अपेक्षा कर अपने पद और गरिमा का दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है इनके साथ जिसे इन्होंने मोबाइल डाटा C.D.R./S.D.R. लोकेशन चोरी कर बेचा था, इसलिए आरोपी 28वर्षीय मोहम्मद सोहेल राजपूत सहित तीनों को गिरफ्तार कर 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय से आज बताया गया है कि ठाणे पुलिस आयुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पुलिस कांस्टेबल आकाश तथा हर्षद को 3 मई 2025 को पुलिस सेवा से निलंबित कर दिया था। बताया जाता है कि ठाणे पुलिस आयुक्त द्वारा गंभीर अपराध के चलते दोनों पुलिस कांस्टेबल आकाश तथा हर्षद के निलंबन किए जाने के बाद ठाणे पुलिस ने 5 मई 2025 को रात दस बजे के दरम्यान ठाणे पुलिस की सायबर सेल ने दोनों गिरफ्तार कर माननीय ठाणे न्यायालय के समक्ष पेश किया था। माननीय न्यायालय द्वारा दोनों पुलिस सिपाही आकाश सोपान सुर्वे तथा हर्षद लक्ष्मण परब को 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

केरल के बंटी-बबली हुए गिरफ्तार, खार शोरूम से 53 हजार रुपये चुराने का आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। केरल के आधुनिक समय के बंटी और बबली कहे जाने वाले पति-पत्नी की जोड़ी को खार पुलिस ने लिंकिंग रोड, खार पश्चिम में एक कपड़ों के शोरूम के कैश काउंटर से 53,500 रुपये चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। चोरी को शॉपिंग की आड़ में अंजाम दिया गया, जिसमें महिला ने सेल्समैन का ध्यान भटकाया जबकि उसके साथी ने नकदी चुरा ली। आरोपियों की पहचान अतुल्य मिलन वथियात (21) और मिलन बैजू वथियात (24) के रूप में हुई है। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने मिड-डे को बताया कि आरोपी दंपति का लंबा आपराधिक इतिहास है और वे भारत भर में कई चोरी के मामलों में शामिल हैं। अधिकारी ने बताया, उन्हें सितंबर 2024 में त्रिवेंद्रम सिटी पुलिस ने जेल से रिहा किया था और तब से वे विभिन्न शहरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। कथित तौर पर यह जोड़ा बड़े खुदरा दुकानों, खास तौर पर महानगरीय क्षेत्रों में कपड़ों और सामान्य दुकानों को निशाना बनाता है। उनके अपराध आम तौर पर सुबह के समय, स्टोर खुलने के कुछ समय बाद, तब किए जाते हैं, जब कर्मचारियों की उपस्थिति कम होती है। एक अच्छी तरह से अभ्यास की गई दिनचर्या का उपयोग करते हुए, महिला सवालों और झूठी खरीदारी से कर्मचारियों का ध्यान भटकाती है, जबकि पुरुष चुपचाप दराज से पैसे चुराने के लिए काउंटर के पीछे खिसक जाता है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, उन्होंने हाल ही में 1 मई को खार में एक शोरूम पर हमला किया, और कम कर्मचारियों की मौजूदगी का फायदा उठाने के लिए सुबह-सुबह चोरी की।

माज शेख 10 बोर्ड 93 पर्सेंटेज के साथ उत्तीर्ण

खरगोन। सपने सच हो जाते है हर दुआ काम आती है। खरगोन के जाहिद शेख शबाना शेख के छोटे बेटे माज शेख ने सीबी एस ई 10 बोर्ड कक्षा मै 93 पर्सेंटेज के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है संत जुत हायरसेकेंड्री स्कूल खरगोन से ओर उनका। सपना,ड्रीम,ख्वाब डॉ बनने का है, बड़े भाई साद शेख एम बी बी एस

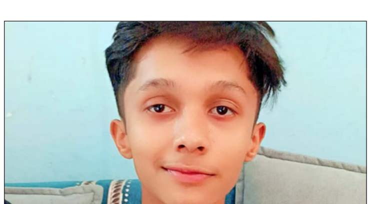

की पढ़ाई भोपाल से कर रहे है, माज अपना आइडियल भाई को मानता है, और डॉ माज अपना आइडियल पापा मम्मी को मानता है, दोनों भाई ने कहा नाना नासिर खान, नानी, दादा बख्तावर शेख दादी की दुआएं, हमारी कामयाबी के पीछे है, ओर बड़े पापा जफर शेख बड़ी मम्मी का मार्गदर्शन सदैव आगे बढ़ने मै मिला है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

43 रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली से गिरफ्तार कर पानी में फेंकने का आरोप

8 मई को जब मामला सूचीबद्ध किया गया तो अदालत को सूचित किया गया कि संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR) कार्ड वाले कुछ शरणार्थियों, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, उनको पुलिस अधिकारियों ने 7 मई की देर रात को गिरफ्तार किया और मामला सूचीबद्ध होने के बावजूद निर्वासित कर दिया। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 8 अप्रैल, 2021 के एक आदेश की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें विदेशियों को कानून के अनुसार निर्वासित करने की अनुमति दी गई। इसके तहत न्यायालय ने कोई अंतरिम निर्देश पारित किए बिना इसे 31 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। दिल्ली में दो रोहिंग्या शरणार्थियों द्वारा जनहित याचिका के रूप में दायर नई रिट याचिका में आरोप लगाया गया कि उनके समूह के लोगों को दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करने के बहाने हिरासत में लिया था। फिर उन्हें वैन और बसों में उठाया गया और बाद में 24 घंटे तक विभिन्न पुलिस थानों में हिरासत में रखा गया। इसके बाद उन्हें दिल्ली के इंद्रलोक डिटेंशन सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में उन्हें पोर्ट ब्लेयर ले जाया गया, जहां उन्हें जबरन नौसेना के जहाजों पर हाथ बांधकर और आंखों पर पट्टी बांधकर रखा गया।

शरद-अजित की जोड़ी फिर एक्टिव

एनसीपी (एसपी) के सतारा से सांसद अमर शरदराव काले और सिरपुर से सांसद डॉक्टर अमोल कोल्हे अजित पवार वाली एनसीपी के साथ विलय के खिलाफ हैं। सांसद अमर काले पिछले लोकसभा चुनाव में एनसीपी (एसपी) में शामिल हुए थे। उससे पहले वे कांग्रेस में थे और तीन बार विधायक रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि सुप्रिया सुले दोनों नेताओं से बात करके उन्हें मनाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन अगर वो इसमें कामयाब नहीं हो पाईं तो एनसीपी में एक बार फिर दरार पड़ सकती है। जानकारी के मुताबिक शरद पवार के कई नेता आगामी शहरी निकाय चुनाव में अजित पवार गुट के साथ जाने का मन बना चुके हैं। इसकी खबर शरद पवार और सुप्रिया सुले को पड़ गई है। दोनों नेता पार्टी में फूट पड़ने से रोकना चाहते हैं और आगामी चुनाव में मजबूती से कदम रखसके।

यौन अपराधों से बच्चों को है बचाना

इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य पिछले साल अगस्त में ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में स्कूलों में सुरक्षा में सुधार करना है। आरोप लगे थे कि स्कूल प्रशासन और पुलिस ने मामले में समय पर कार्रवाई नहीं की। अगस्त में स्कूल में सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक अन्य मामले में जांच के लिए तलोजा जेल से कल्याण ले जाते समय पुलिस वैन के अंदर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आदेश में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नाबालिग माना गया है तथा स्कूल अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध अपराध की सूचना स्थानीय पुलिस स्टेशन या विशेष किशोर पुलिस इकाई को देने का आदेश दिया गया है। आदेश में सभी स्कूलों को परिसर में कम से कम एक महीने के डेटा बैकअप के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया गया है। आदेश में चेतावनी दी गई है कि इसका पालन न करने पर सरकारी अनुदान रोके जाने और स्कूल का पंजीकरण रद्द किए जाने जैसी कार्रवाई की जा सकती है। स्कूल अधिकारी अपने कर्मचारियों की जांच कर सकते हैं और उनसे पुलिस द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र मांग सकते हैं।

खबर संक्षेप

श्रीनगर से जल्द रवाना होगा हज यात्रियों का जत्था

श्रीनगर। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद हज यात्रियों का दूसरा जत्था जल्द ही सऊदी अरब के लिए श्रीनगर से रवाना होगा। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हज यात्रा को लेकर कैंप लगाए गए हैं, जहां सऊदी अरब जाने वाले लोग हज यात्रा की प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं। श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था 4 मई 2025 को रवाना हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर की वजह से 7 मई और 12 मई को रवाना होने वाले हज यात्रियों की 7 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

लुंगी पहन व्हीलचेयर पर थाईलैंड भागे पूर्व राष्ट्रपति

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक घमासान के बीच पूर्व राष्ट्रपति

मोहम्मद अब्दुल हामिद सुबह 3 बजे थाईलैंड के लिए रवाना हुए और देश छोड़कर चले गए। वो ढाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाई एयरवेज की फ्लाइट पर सवार हुए। वो लुंगी में व्हीलचेयर पर बैठे नजर आए। जब अंतरिम सरकार की नींद खुली और उसे पता चला कि क्या हुआ है तो उसने अधिकारियों को सस्पेंड और ट्रांसफर कर दिया और एक उच्च स्तरीय जांच का गठन किया। पूर्व राष्ट्रपति की प्रदर्शनकारियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की जांच की जा रही थी।

पाक ने भारतीय राजनयिक को अवांछित घोषित किया

नई दिल्ली। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार ने

इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक अधिकारी को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर दिया है। भारतीय अधिकारी को 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी को उनकी विशेष स्थिति के खिलाफ गतिविधियों में संलिप्तता होने के कारण पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया है। इस निर्णय के बारे में भारतीय चार्ज डिअफेयर्स को जानकारी दी गई है।

भारत ने गोपालपुर परीक्षण रेंज में किया भार्गवास्त्र का सफल परीक्षण

दुश्मन के ड्रोन के झुंड के झुंड आ जाएंगे, कोई नहीं बचेगा, आ गया 'भार्गवास्त्र'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत-पाक तनाव के बीच एलओसी से लेकर आईबी तक अब दुश्मन के ड्रोन के झुंड के झुंड ही क्यों न आ जाएं। कोई भी बचकर नहीं जा सकेगा। 'भार्गवास्त्र' पलक झपकते ही सबका काम तमाम कर देगा। जी हां, यह भारत का एक नया और कम लागत वाला काउंटर ड्रोन सिस्टम है, जिसमें इस्तेमाल किए गए छोटे रॉकेटों का बीते 13 मई को गोपालपुर की सीवर्ड परीक्षण रेंज में भारतीय सेना के अधिकारियों की मौजूदगी में सफल परीक्षण किया गया है। इस दौरान रॉकेट के कुल तीन परीक्षण किए गए। एक-एक रॉकेट दागकर तीन परीक्षण हुए और इसके बाद एक टेस्ट दो सेकंड के भीतर दो रॉकेट दागकर किया गया। सभी चारों रॉकेट परीक्षण के सभी मानकों पर खरे उतरे हैं। साथ ही इन्होंने बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों (स्वार्म ड्रोन अटैक) का तकनीक के माध्यम से आसानी से मुकाबला करने की आवश्यकता व क्षमता दोनों को प्रदर्शित किया है।

हार्ड किल मोड में किया डिजाइन

भार्गवास्त्र को हार्ड किल मोड में डिजाइन किया गया है। यह करीब 2.5 किलोमीटर तक की दूरी पर छोटे और आने वाले ड्रोन का पता लगाकर उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। इसे स्वदेशी रूप से सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने डिजाइन के साथ विकसित किया है। भार्गवास्त्र की पहली रक्षा लेयर में 20 मीटर की रेंज से आने वाले ड्रोन के हमले को बेअसर करने के लिए अनगाइडेड माइक्रो रॉकेट का प्रयोग किया गया। जबकि दूसरी लेयर गाइडेड माइक्रो मिसाइल से लैस है।

आकाशतीर ने साबित की अपनी क्षमता

वहीं, भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने एक्स पोस्ट में बताया कि उनके स्वदेशी डिजाइन के साथ तैयार किए गए आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सैन्य हमलों को पूरी तरह से नाकाम कर अपनी मारक क्षमता साबित की है। यह युद्ध के मैदान में प्रदर्शित की गई सिस्टम की काबिलियत का प्रमाण है। इस सिस्टम के साथ एकीकृत ग्राउंड आधारित रक्षा सिस्टम ने पाकिस्तान के हवाई कारनामों को नेस्तनाबूद कर दिया। एक अन्य पोस्ट में बीईएल ने कहा कि प्रणाली ने उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं से बढ़कर प्रदर्शन किया और मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत को मजबूत वायु रक्षा प्रदान की।

राष्ट्रपति से मिले तीनों सेनाध्यक्ष और सीडीएस

मुर्मू ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को गौरवपूर्ण उपलब्धि बतलाया

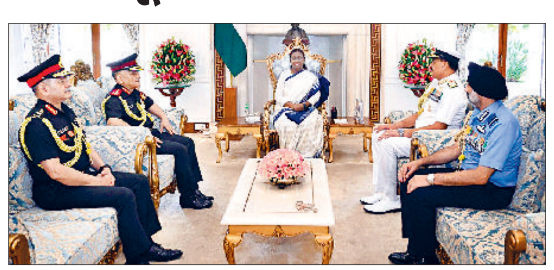

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) व तीनों सेनाध्यक्ष बुधवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां सीडीएस और तीनों सेनाध्यक्षों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी जानकारी साझा की गई। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की सुप्रीम कमांडर हैं।इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया को सफल बनाने में सशस्त्र बलों के साहस और समर्पण की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने सैन्य बलों के इस अभियान को एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव बताए व इससे विस्तृत जुड़ी जानकारी दी।

पाक सेना को हुआ भारी नुकसान

पाकिस्तान आतंकवादियों के समर्थन में खड़ा हुआ और पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों को टारगेट करने की कोशिश की। हालांकि भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के सभी हमलों को विफल कर दिया। इतना ही नहीं भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा, उसकी एयर डिफेंस प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना अपने कई एयरबेस की भी रक्षा नहीं कर सकी।

100 से अधिक आतंकी मारे

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी। इसके बाद भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए गए। सेना के मुताबिक इन हमलों में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सेना द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की जानकारी राष्ट्रपति को दी गई है। भारतीय सेना ने केवल आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को अपना निशाना बनाया था।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल, पदों को लैंगिक रूप से तटस्थ क्यों बताया?

यदि महिलाएं राफेल उड़ा सकती हैं तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों?

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

शीर्ष अदालत ने निर्देश दिए कि 'जज एडवोकेट जनरल' (जेएजी) के रूप में नियुक्ति के लिए अगले उपलब्ध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उन्हें शामिल करने के उद्देश्य से जो भी कार्रवाई आवश्यक है, उसे शुरू किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना की 'जज एडवोकेट जनरल' (जेएजी-विधि) शाखा में 50-50 चयन मानदंड पर सवाल उठाते हुए केंद्र से पूछा कि यदि भारतीय वायुसेना में कोई महिला राफेल लड़ाकू विमान उड़ा सकती है तो सेना की जेएजी शाखा के पदों पर कम महिला अधिकारी क्यों हैं? न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने आठ मई को दो अधिकारियों अर्शनूर कौर और आस्था त्यागी की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं ने अपने कई समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया था लेकिन महिलाओं के लिए कम रिक्तियां निर्धारित होने के कारण जेएजी विभाग के लिए उनका चयन नहीं किया गया।

अधिकारियों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए 'असंगत' रिक्तियों को चुनौती देते हुए कहा था कि उनका चयन नहीं किया जा सका क्योंकि कुल छह पदों में से महिलाओं के लिए केवल तीन रिक्तियां थीं। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि पदों को लैंगिक रूप से तटस्थ क्यों बताया गया है जबकि रिक्तियां लैंगिकता के आधार पर विभाजित होने के कारण उच्च योग्यता वाली महिला उम्मीदवारों को शामिल नहीं किया जा सका।

पुरुषों व महिलाओं के लिए रिक्तियों को चुनौती दी

उच्च योग्यता वाली महिला उम्मीदवारों को शामिल नहीं किया

पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ सुनिश्चित करें

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पैदल यात्रियों के वास्ते उचित फुटपाथ सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया और इसे उनका संवैधानिक अधिकार बताया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि फुटपाथ के अभाव में पैदल यात्रियों को सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनके साथ दुर्घटना होने की आशंका होती है। नागरिकों के लिए उचित फुटपाथ का होना आवश्यक है। ये ऐसे होने चाहिए कि जो दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों और इन पर से अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। पैदल यात्रियों को फुटपाथ का इस्तेमाल करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा है। बिना अवरोध वाले फुटपाथ का अधिकार निश्चित रूप से एक आवश्यक विशेषता है।

नौकरी छोड़ने वाली महिला गुजारा भत्ता पाने की हकदार

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि एक महिला का अपने बच्चे की देखभाल के लिए नौकरी छोड़ना 'स्वैच्छिक परित्याग' नहीं होता है, इसलिए वह गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने 13 मई को जारी एक आदेश में कहा कि इस स्थिति को बच्चे की देखभाल करने के परम कर्तव्य के परिणाम के तौर पर देखा जा सकता है। इसके साथ ही अदालत ने एक महिला और उसके नाबालिग बेटे को अंतरिम भरण-पोषण देने संबंधी निचली अदालत के आदेश को खारिज करने से मना कर दिया।

पीठ ने दिए नियुक्ति के निर्देश

पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि हम याचिकाकर्ता अर्शनूर कौर द्वारा प्रस्तुत मामले से प्रथम दृष्टया संतुष्ट हैं। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिए कि 'जज एडवोकेट जनरल' (जेएजी) के रूप में नियुक्ति के लिए अगले उपलब्ध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उन्हें शामिल करने के उद्देश्य से जो भी कार्रवाई आवश्यक है, उसे शुरू किया जाए। केंद्र और सेना की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि 2012 से 2023 तक 70:30 (या अब 50:50) के अनुपात में पुरुष और महिला अधिकारियों की भर्ती की नीति को भेदभावपूर्ण एवं मौलिक अधिकारों का हनन कहना गलत होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने भूमि विवाद मामले में अपना आदेश वापस लिया

उच्चतम न्यायालय ने उस भूमि विवाद मामले में अपना आदेश वापस ले लिया है, जिसमें यह बात सामने आई है कि अनुकूल फैसला एक फर्जी समझौते और एक 'छद्म' प्रतिवादी के माध्यम से हासिल किया गया था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हाल ही में उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री को इस मामले में जांच करने और तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

कांग्रेस ने पीएम को घेरा, आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक संरचना पर मंथन

25 को केवल एनडीएम सीएम की बैठक क्यों, ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति क्यों?

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष कई यक्ष प्रश्न खडा करने की कोशिश की है। बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सभी के साथ मिल बैठकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा की तिरंगा यात्रा को पूरी तरह राजनीतिक ठहराया।

ऐसी राजनीति का राजनीतिक जवाब क्या होना चाहिए, इस पर मंथन हुआ। तय किया गया कि आक्रामक शैली में प्रधानमंत्री पूछा जाए कि आखिर आगामी 25 को केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों की बैठक क्यों उन्होंने आहूत की है। क्यों नहीं देश के सभी मुख्यमंत्रियों को उन्होंने बैठक में आमंत्रित किया चाहे वे किसी भी दल के हों? कांग्रेस पार्टी ने एक सुर से ऑपरेशन सिंदूर पर कथित रूप से सियासी मुलम्मा चढाये जाने का जमकर विरोध किया।

मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेडा ने ट्रंप के मध्यस्थता दावों को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री की कूटनीतिक असफलता का नतीजा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जमीन से लेकर आसमान से ये दावे कर रहे हैं कि भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने व्यापारिक वादा कर करायी है। पवन खेडा ने कहा कि व्यापार क्या देश के सम्मान से बडा है। ट्रंप के ऐसे सार्वनजिक बयानों पर प्रधानमंत्री को अपने संबोधन में कुछ बोलना चाहिए था। देश के लोगों को विश्वसा में लेना था, लेकिन वे ट्रंप के दावों पर चुप्पी साध लेते हैं।

पहलगाम हमले की स्वतंत्र जांच होना जरूरी

जयराम रमेश ने बैठक के बाद पत्रकरों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री से पूछा कि पहलगाम हमले की स्वतंत्र जांच जरूरी है। क्या जांच होगी? उन्होंने कहा, करगिल युद्ध के बाद वाजपेयी सरकार ने तीन दिन में करगिल समीक्षा समिति बनाई थी। क्या मोदी सरकार पहलगाम हमले के लिए स्वतंत्र आकलन कराएगी? उन्होंने सरकार से खुफिया विफलताओं और जवाबदेही पर स्पष्ट जवाब मांगा। रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस दावे की कड़ी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने उनके कहने पर टैरिफ कम किया। रमेश ने इसे भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाने वाला बताया और कहा कि मोदी सरकार की विदेश नीति कमजोर हो रही है।

कोर कमेटी की बैठक के कार्य बिंदु किए गए तय

हरियाणा भाजपा की बैठक में तिरंगा यात्रा और ऑप्रेशन सिंदूर सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर दिल्ली हरियाणा भवन में हुई बैठक

आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक संरचना पर मंथन

नई दिल्ली । हरियाणा भाजपा की संगठनात्मक विषयों को लेकर हरियाणा भवन नई दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में संगठन से जुड़े अहम बिंदुओं के साथ-साथ आगामी कार्य योजनाओं पर मंथन हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा मौजूद रहे। बैठक में संगठन की संरचना, तिरंगा यात्रा, ऑप्रेशन सिंदूर, एक भारत-श्रेष्ठ भारत और वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर भी चर्चा हुई। पंचकूला में होने वाली कौर कमेटी की बैठक के कार्य बिंदु भी तय किए गए। बैठक में भाजपा नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रदेश के आगामी और चल रहे कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की। संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया जिससे कार्यकर्ता जनसेवा की भावना से काम कर सकें। राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत होने वाले कार्यक्रमों व बिहार चुनाव पर जरूरी दिशा निर्देश दिए। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने राष्ट्र हितकारी कार्यक्रमों, प्रदेश में निकाली जा रही तिरंगा यात्राओं के जरिए लोगों को पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व और भारतीय सेना की शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता आम नागरिकों को अभियान में जोड़ें और 'आप्रेशन सिंदूर' की सफलता की जानकारी और सेना के पराक्रम से लोगों को अवगत कराएं।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा मामले में दी व्यवस्था

घर पर नकदी मिलने के मामले में सुनवाई

प्राथमिकी दर्ज करने की अर्जी पर तत्काल सुनवाई से न्यायालय ने कर दिया इनकार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अदालत ने उल्लेख करने की प्रक्रिया का पालन करने को कहा

उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से बुधवार को इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वकील और याचिकाकर्ता मैथ्यूज नेदुम्परा से उल्लेख करने की प्रक्रिया का पालन करने को कहा।

आंतरिक जांच के बाद कार्रवाई की

नेदुम्परा और 3 अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका में तत्काल आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी, जिसमें कहा गया था कि आंतरिक समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया है।

मार्च में खारिज कर दिया था आवेदन: मार्च में इन्हीं याचिकाकर्ताओं ने आंतरिक जांच को चुनौती देते हुए और औपचारिक पुलिस जांच की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने लंबित प्रकृति का हवाला देकर अर्जी को अपरिपक्व मान खारिज कर दिया था।

पूर्व सीजेआई ने रजिस्ट्री में जाने को कहा था

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख से इनकार कर दिया था और कहा था कि वकीलों या वादियों को पहले ईमेल लिखना होगा और सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री में जाना होगा। न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने को कहा था।

मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 0.85 प्रतिशत रह गई

खाद्य वस्तुओं, ईंधन की कीमतों में नरमी से अप्रैल में थोक महंगाई घटी

अप्रैल में दर्ज दर मार्च, 2024 के बाद से सबसे कम

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 0.85 प्रतिशत रह गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति मार्च में 2.05 प्रतिशत और अप्रैल, 2024 में 1.19 प्रतिशत रही थी। अप्रैल में दर्ज 0.85 प्रतिशत थोक मूल्य सूचकांक की दर मार्च, 2024 के बाद से सबसे कम है। उस समय यह 0.26 प्रतिशत के स्तर पर थी। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, '' ...मुख्य तौर पर खाद्य उत्पादों, विनिर्माण, रसायनों व रासायनिक उत्पादों, अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण व मशीनरी तथा उपकरणों के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही।''

थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 2.05 प्रतिशत रहा

बिजली की कीमतों में नरमी रही

थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य, ईंधन तथा बिजली के साथ-साथ विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में कमी से इसमें नरमी आई। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अप्रैल में 0.86 प्रतिशत की गिरावट आई। मार्च में खाद्य उत्पादों की मुद्रास्फीति 1.57 प्रतिशत थी। अप्रैल में सब्जियों की मुद्रास्फीति दर 18.26 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 15.88 प्रतिशत रही थी।

प्याज की मुद्रास्फीति में गिरावट

प्याज की मुद्रास्फीति घटकर 0.20 प्रतिशत हो गई जो मार्च में 26.65 प्रतिशत थी। फलों की मुद्रास्फीति घटकर 8.38 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले महीने 20.78 प्रतिशत पर थी। आलू और दालों कीमतों में भी क्रमशः 24.30 प्रतिशत और 5.57 प्रतिशत की कमी आई।

ईंधन व बिजली की महंगाई दर में कमी

बार्कलेज ने एक शोध पत्र में कहा, '' अनुकूल आधार प्रभाव आने वाले महीनों में थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति को कम रखेगा।'' ईंधन व बिजली की महंगाई दर में अप्रैल में 2.18 प्रतिशत की कमी आई। जबकि मार्च में इन उत्पादों की मुद्रास्फीति 0.20 प्रतिशत थी। अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर 2.62 रही, जबकि मार्च में यह 3.07 प्रतिशत थी।

खाद्य मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान सकारात्मक

रेटिंग एजेंसी इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि केरल में समय से पहले मानसून आने और देश में सामान्य से अधिक मानसून रहने के अनुमान फसल उत्पादन के लिए सकारात्मक है। इसके परिणामस्वरूप खाद्य मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान भी सकारात्मक है। आरबीआई मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है।

सब्जियों, फलों व दालों की कीमतों में नरमी : सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक के लिए जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में एक और कटौती की पर्याप्त गुंजाइश बन गई है।

सात फेरों से पहले डीजे पर बवाल, मारपीट-तोड़फोड़ के बीच गायब हो गया दूल्हा

गोरखपुर। यूपी के सहजनवां में एक शादी समारोह के दौरान सात फेरों से पहले बारात में डीजे बचाने को लेकर बवाल हो गया। देखते ही देखते डीजे संचालक और बारातियों में मारपीट शुरू हो गई। भड़के लोग गाड़ियों में तोड़फोड़ करने लगे। मारपीट और तोड़फोड़ के बीच दूल्हा गायब हो गया। बाद में पता चला कि वह वापस अपने घर लौट गया है। दूल्हे के गायब होने की सूचना पर घराती और बाराती दोनों परेशान हो गए। दूल्हे को ढूंढा जाने लगा। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे को बुलाकर अपनी मौजूदगी में देर रात शादी सम्पन्न कराई। दोनों पक्षों की तरफ से की गई शिकायत पर केस दर्ज करने की बजाए आपस में समझौता करा दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बस्ती जिले के हरैया से गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के भीटी

रावत में एक व्यक्ति के घर बारात आई थी। बारात में द्वारपूजा के लिए गांव का ही एक डीजे लकड़ी वालों ने बुक किया था। द्वारपूजा के दौरान गाना बजाने को लेकर डीजे संचालक और बारातियों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी, जिसमें करीब आधा दर्जन लोगों को हल्की चोटें आईं। इसके साथ ही चार से पांच की संख्या में बारात में आईं गाड़ियों को भी नुकसान पहुंच गया। लोगों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। विवाद के बाद दूल्हा नाराज होकर संतकबीर नगर जनपद के खलीलाबाद चला गया। दूल्हे के चले जाने से हड़कंप मच गया। किसी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लकड़ी के पक्ष के लोगों से पूछताछ कर दूल्हे का मोबाइल नंबर लेकर बात की। खलीलाबाद में दूल्हा के होने पर पुलिस राहत की सांस ली और शादी के लिए मनाने लगी। करीब तीन घंटे के बाद दूल्हा पुलिस की मौजूदगी में शादी करने को तैयार हो गया। इसके बाद देर रात को पुलिस टीम की मौजूदगी में शादी हुई और बारात भोर में ही विदा कर दी गई। सुबह एक पक्ष से तहरीर मिलने के बाद पुलिस दूसरे पक्ष के लोगों को थाने बुलाई और आपस में समझौता करा दी।

UP में प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएंगी मिलावटखोरों की तस्वीरें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिलावटखोरी पर सख्त रुख अपनाया है। योगी ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के कारोबार को 'सामाजिक अपराध' करार देते हुए कहा कि यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिससे किसी भी प्रकार का समझौता अक्षम्य होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत मिलावटखोरों, नकली दवाओं के कारोबारी नेटवर्क और इस अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। योगी ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को सार्वजनिक रूप से चिन्हित किया जाए और उनकी तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं, ताकि जनता भी उन्हें पहचान सके और समाज में उनके प्रति नकारात्मक संदेश जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि तेल, घी, मसाले, दूध, पनीर जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं की जांच यथासंभव उत्पादक इकाई पर ही की जाए। दूध व दुग्ध उत्पादों की विशेष रूप से सघन जांच के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं जो लगातार निगरानी रखें। साथ ही पेशेवर रक्तदाताओं की पहचान कर इस पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ होना चाहिए।

ताउम्र रहना है स्वस्थ तो डाइट में शामिल करें ये सुपरफूड्स

दिनभर काम के चक्कर में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेती हैं। कुछ महिलाएं हैल्दी रहने के लिए योग, वर्कआउट और एक्सरसाइज तो करती हैं लेकिन स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। अच्छी सेहत के लिए सही डाइट लेना भी बहुत जरूरी है। स्वस्थ रहने के लिए आपके शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है और आपकी यह जरूरत अच्छी डाइट और हैल्दी फूड्स ही पूरी कर सकती हैं। चलिए जानते हैं कुछ ऐसे ही फूड्स जो ना सिर्फ महिलाओं को स्वस्थ भी रखेंगे बल्कि उन्हें कई बीमारियों से भी बचाएंगे।

महिलाओं के लिए स्वस्थ आहार

1. साबुत अनाज - फाइबर, मिनेरल्स, विटामिन्स, कैल्शियम और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर साबुत अनाज का सेवन महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे न सिर्फ महिलाओं को ऊर्जा मिलती है बल्कि यह वजन कंट्रोल करने में भी मददगार होता है। साबुत अनाज के रूप में ब्राउन चावल, गेहूं, जौ आदि का सेवन कर सकती हैं।

2. सब्जियां - महिलाओं को अपनी डाइट में हरी और सीजनल सब्जियों को शामिल करना चाहिए। हरी सब्जियों में कैलोरी की मात्रा कम होती है और इसमें पोटैशियम, विटामिन्स और फाइबर भी भरपूर मात्रा में होते हैं। हरी और पत्तेदार सब्जियां जैसेझ्र पालक, पत्तागोभी, तोरी, करेला आदि खने से महिलाओं के शरीर को भरपूर मात्रा में पोषण मिलता है।

3. फल - स्वस्थ रहने के लिए महिलाओं को रोजाना फलों का सेवन जरूर करना चाहिए। अगर आप फल नहीं खा सकती तो एक गिलास फ्रूट जूस पी लें। फलों में विटामिन, कैल्शियम और फाइबर की पर्याप्त मात्रा में होते हैं, जोकि आपको डायबिटीज, कैंसर और दिल के रोगों से दूर रखते हैं।

4. सलाद - भोजन के साथ या खाने से पहले सलाद का सेवन जरूर करें। इससे महिलाएं ज्यादा खाने से बच सकती है, जिससे आपको मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलेगी। मगर यह ध्यान रखें कि सलाद में खीरे, ककड़ी, टमाटर जैसे विटामिन्स वाले खाद्य-पदार्थ शामिल हो।

5. अखरोट -शायद आप नहीं जानती कि अखरोट का सेवन आपके लिए कितना फायदेमंद होता है। यह शरीर को एनर्जी देने के साथ आपको कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाता है। इसके साथ ही इससे मेटाबॉलिज्म और इम्यून सिस्टम भी दुरूस्त रहता है।

6. दूध और दही - दूध और उससे बने खाद्य पदार्थों को डाइट प्लान में जरूर शामिल करना चाहिए। इतना ही नहीं, खाने के बाद मलाई वाला दूध पीना भी महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है। इससे न सिर्फ आपके शरीर को भरपूर पोषण मिलता है बल्कि यह मोटापे की समस्या भी नहीं होने देता।

7. चिया के बीज - सुपरफूड माने जाने वाले चिया के सीड्स को अपनी डाइट में शामिल कर आप लंबे समय तक हैल्दी रह सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर को एनर्जी देने के साथ ब्रेन को तेज करने में काफी मददगार हैं। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन आपको कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाता है।

अधूरी नींद लेने वाले हो जाए सतर्क, घेर सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

पूरी न लेने के नुकसान

नींद पूरी न होना सिर्फ अगले दिन थकावट या बोझिल एहसास ही नहीं कराता बल्कि एक यह मोटापे और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की वजह भी हो सकता है। एक ताजा शोध के नतीजों के बाद वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है कि चैन की नींद न लेने से आप गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

मोटापे की समस्या

साइंस एडवांसेस जर्नल में प्रकाशित शोध के मुताबिक, नींद पूरी न होने से डी.एन.ए की कार्यप्रणाली में परिवर्तन होता है। इस कारण शरीर में अधिक वसा जमा होने लगती है। शोधार्थियों के मुताबिक एक रात चैन से न सोने मात्र से मांसपेशियां छोटी होने लगती हैं और वसा तेजी से जमा होने लगती है। जबकि लोग देर रात खाने और सुबह थकान के कारण कसरत न कर पाने को मोटापा की वजह मानते हैं। शोधार्थियों ने पहले भी अधूरी नींद से वजन बढ़ने को जोड़ा था पर इसके पीछे के मूल कारणों को स्पष्ट नहीं कर पाए थे। अब इसे बॉडी क्लॉक से जोड़कर आसानी से समझाया जा सकता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा

शोध के मुताबिक जब शरीर थका हुआ होता है तब वह रक्त में शुगर की मात्रा को नियंत्रित नहीं कर पाता है। ऐसे में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। इस शोध से भविष्य में गंभीर बीमारियों से निपटने के रास्ते खुलेंगे।

कैंसर व स्ट्रोक की संभावना

मोटापे से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे कैंसर और स्ट्रोक होने की भी संभावना होती है। शोध में पाया गया है कि दुनियाभर में शरीर में वसा की बढ़ी मात्रा मौत का कारण बन सकती है। पर्याप्त नींद न लेने से मोटापा बढ़ता है।

ब्यूटी क्रीम से नहीं, टीनएजर्स इस तरह करें अपनी स्किन केयर

टीनएजर्स के लिए स्किन केयर करना बेहद जरूरी है। अपने चेहरे को बेदाग और सुंदर बनाने के लिए वह कैमिकल युक्त चीजों का इस्तेमाल करते हैं। मगर ज्यादा कैमिकल वाली चीजों का यूज करने से चेहरा खराब भी होने लगता है। बिना सोचे-समझे कोई भी ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। घरेलू स्किन केयर टिप्स का इस्तेमाल करके टीनएजर्स बिना किसी साइड इफैक्ट के अपनी त्वचा को खूबसूरत और हैल्दी बना सकती है।

1. चेहरा धोने के लिए माइल्ड फेसवॉश और माइल्ड क्लींजिंग जैल का ही प्रयोग करें।
2. सूर्य की यू.वी किरणों से त्वचा की रक्षा करने के लिए 15 एस.पी.एफ वाला सनस्क्रीन लगाएं।
3. सनस्क्रीन नहीं लगाना चाहतीं तो एक ककड़ी को छीलकर मैश कर लें फिर उसे पतले कपड़े से छान लें। इसमें 1 छोटा चम्मच गुलाब जल और ग्लिसरीन मिला लें। अब इसे सनस्क्रीन लोशन की तरह इस्तेमाल करें। यह सन टैन की दूर करता है।
4. त्वचा का प्राकृतिक निखार बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार फेस मास्क लगाएं। मगर स्क्रब करने से बचें।
5. यदि आपकी स्किन ऑयली है तो पोटैटो पैक ट्राई करें। इसके लिए 1 छोटा चम्मच आलू का रस और मुलतानी मिट्टी को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें। पहले चेहरा गुनगुने पानी से और फिर ठंडे पानी से धो लें।
6. यदि आपको ब्लैकहैड्स की समस्या है तो दालचीनी पाऊडर में थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाएं। फिर जहां ब्लैकहैड्स हैं वहां लगाएं। इससे ब्लैकहैड्स की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

7. नीम, तुलसी और हरा धनिया का रस बराबर मात्रा में मिला लें और चेहरे पर लगाएं। अब 15 मिनट बाद चेहरा धो लें। प्राकृतिक गुणों से भरपूर नीम, तुलसी एवं हरा धनिया मुंहसों से निजात दिलाते हैं।
8. टीनएजर्स को मेकअप कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए। यदि शादी या पार्टी में जाना हो तो हमेशा अच्छे ब्रांड के कॉस्टमैटिक्स ही इस्तेमाल करने चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

3 बार होते-होते रह गई शादी

सुष्मिता सेन बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हो गई हैं, जिन्हें जिंदगी में कई बार प्यार हुआ, लेकिन वह शादी के बंधन में नहीं बन सके। 49 साल की सुष्मिता सेन की शादी भले ही ना हुई हो लेकिन वह दो बेटियों को पाल रही हैं। उन्होंने दो बच्चियों को गोद लिया है। वह उनकी परवरिश में लगी हुई हैं, सुष्मिता सेन ने एक इंटरव्यू के दौरान खुद के शादी से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया था। सुष्मिता सेन ने खुद बताया था कि एक दो बार नहीं बल्कि तीन बार उनकी शादी होते-होते रह गई है। आइए जानते हैं सुष्मिता सेन ने अपनी शादी को लेकर क्या बात की थी। सुष्मिता सेन ने ट्विंकल खन्ना के शो में शादी पर बातचीत करते हुए बताया था कि उन्होंने शादी क्यों नहीं की? तब सुष्मिता सेन ने कहा था खुशकिस्मती से मुझे जिंदगी में बहुत ही अच्छे पुरुष मिले, लेकिन किसी के साथ भी शादी तक बात नहीं पहुंच पाई। बातचीत के दौरान सुष्मिता सेन ने आगे बताया कि मैं खुशकिस्मत हूं कि तीन बार मेरी शादी होते-होते रह गई। मतलब भगवान ने मुझे बचा लिया। सुष्मिता सेन फिलहाल रोहमन शॉल के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सुष्मिता पहले भी वह उन्हें डेट कर चुकी हैं। लेकिन एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था कि वो दोनों बस अच्छे दोस्त हैं। सुष्मिता सेन ने एक नहीं बल्कि दो बच्चियों को गोद लिया है और वह दोनों की परवरिश कर रही हैं।

अनुष्का की चकदा एक्सप्रेस पर आया बड़ा अपडेट

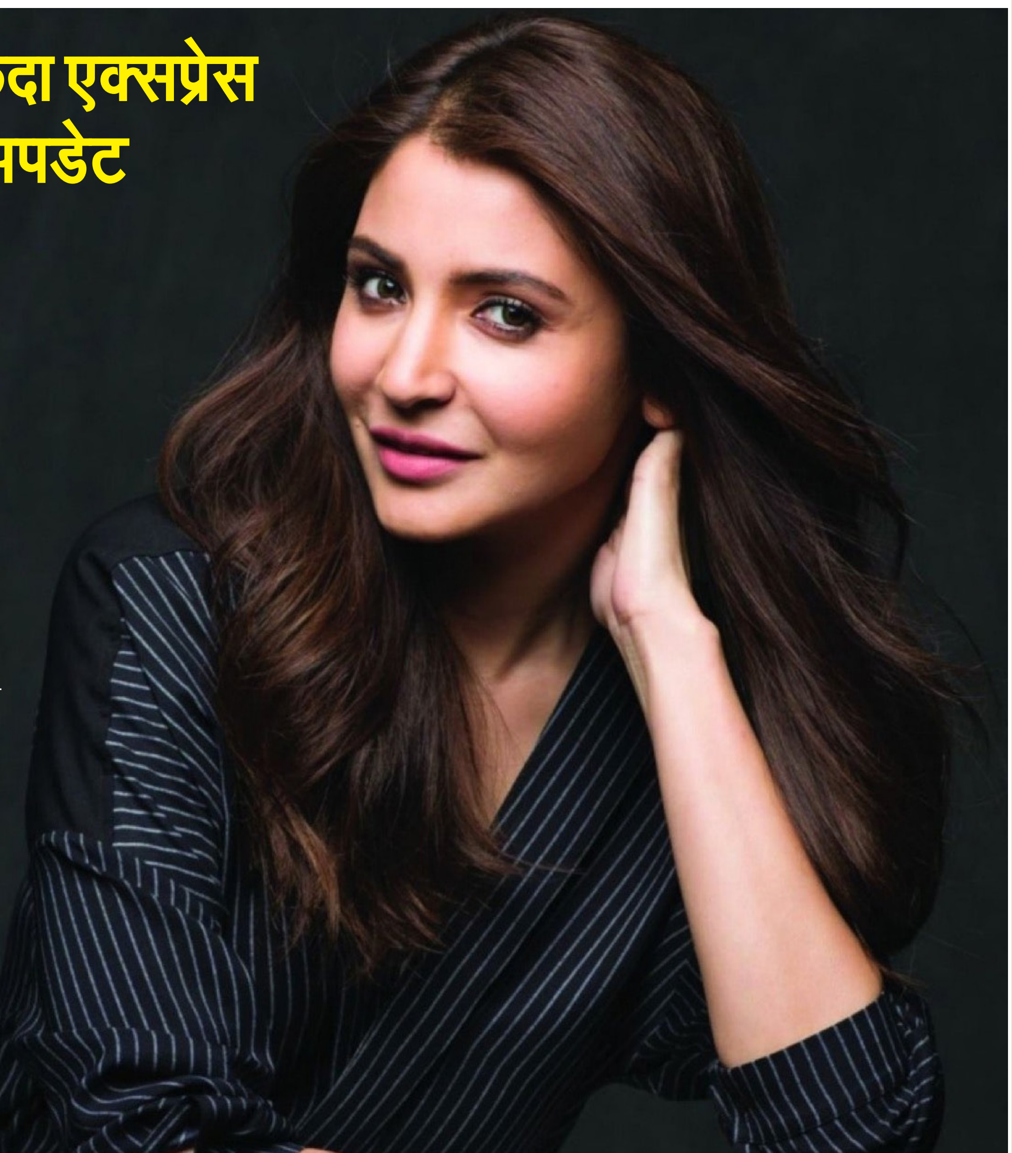

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की आने वाली फिल्म चकदा एक्सप्रेस को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। यह फिल्म भारत की दिग्गज महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की जीवनी पर आधारित है और इसे अनुष्का शर्मा के बड़े कमबैक के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन फिल्म की रिलीज टलती जा रही है, जिससे अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या चकदा एक्सप्रेस अब कभी रिलीज होगी। अनुष्का शर्मा को आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान के साथ फिल्म जीरो में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली थी। चकदा एक्सप्रेस की घोषणा और इसका पहला लुक 2022 में सामने आया। नेटफ्लिक्स पर इसे अक्टूबर 2023 में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब तक कोई नई तारीख सामने नहीं आई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में झूलन गोस्वामी ने कहा कि मेरे पास कोई अपडेट नहीं है। सभी लोग मुझे फोन करके पूछ रहे हैं, लेकिन मुझे भी कुछ नहीं पता। उनका बयान साफ करता है कि फिल्म को लेकर अब भी असमंजस बना हुआ है। फिल्म के एडिटर मानस मित्तल और लेखक अभिषेक बनर्जी ने खुलासा किया कि फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी की मुख्य वजह नेटफ्लिक्स और Slte Filmz के बीच चल रही अनबन है। इसके कारण रिलीज की कोई निश्चित योजना नहीं बन पाई है।

सुनीता आहूजा का छलका दर्द

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा एक समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज करते थे। उनकी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और डांस ने उन्हें 90 के दशक का सुपरस्टार बना दिया था। लेकिन पिछले कुछ सालों से वो फिल्मी दुनिया से लगभग गायब हैं। उनके करियर की इस गिरावट को लेकर अब उनकी पत्नी सुनीता आहूजा का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने गोविंदा की चुप्पी और उनके दोस्तों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। एक इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने कहा कि वे बार-बार गोविंदा से पूछती हैं कि आप जैसे बड़े एक्टर घर पर क्यों बैठे हैं? उन्होंने अन्य समकालीन अभिनेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि अनिल कपूर, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार आज भी एक्टिव हैं, तो गोविंदा क्यों नहीं? सुनीता ने गोविंदा के करियर की रुकावट के पीछे उनके करीबी दोस्तों को भी जिम्मेदार ठहराया। सुनीता ने कहा कि गोविंदा के आस-पास के लोग उन्हें सच्चाई नहीं बताते कि अब 90 के दशक वाली फिल्में नहीं चलतीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उससे कहो कि वजन कम करे, स्मार्ट दिखे, दो कौड़ी के पैसों के लिए उसकी जिंदगी बर्बाद क्यों कर रहे हो? गोविंदा ने रावण, किल दिल जैसी फिल्मों से वापसी की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें दर्शकों से वो प्रतिक्रिया नहीं मिली जिसकी उम्मीद थी।